

31/11/25

पत्रावली पेश हुई, पत्रावली तलवी पर पेश हुई। तलवील
प्राधी व प्राधी अस्थित, नै प्राधीन पत्र पेश कर

(Maitany)

प्राधीन पत्र करी कायदाई नहीं चाहें व्य- निवेदन
कर प्राधीन पत्र विद्वां करे व्य- निवेदन विद्वां
प्राधी की पहचान अस्थित अस्थितता ने की।
प्राधीन पत्र स्वीकार किया जाता है। पत्रावली
विद्वां की जाती है, प्रसन्न शुभक लेखक भव
से कर ले।

सहायक क्लर्क एव
उपखण्ड अधिकारी, भूपालसागर

